*176. and *177. [*For answers* vide *cols.* 843 and 844 infra *respectively*.]

CENTRAL GOVERNMENT FARMS

†*178. SHRI N. S. CHAUHAN: Will the Minister for FOOD AND AGRICULTURE be pleased to state:

(a) the number of farms run by the Government of India;

(b) the annual expenditure and the income from each such farm; and

(c) whether any assistance is given to the State Governments for the farms run by them and if so, what is the total amount given annually?

THE MINISTER FOR AGRICULTURE (DR. P. S DESHMUKH): (a) The number of farms run by the Government of India is two excluding the experimental farms.

(b) A statement is placed on the Table of the House. (*See* Appendix VIII, Annexure No. 42)

(c) No assistance is given by the Centre for agricultural farms run by the State Governments.

†Original notice in Hindi as below:

केन्द्रीय सरकार के फार्म

*१७८. **श्री नवाबसिंह चौहान** : क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारत सरकार ने कितने फार्म खोल रखे हैं ;

(ख) ऐसे प्रत्येक फार्म पर वार्षिक खर्च और उससे आमदनी क्या है; और

(ग) क्या राज्य सरकारों को उन द्वारा चलाए जा रहे फार्मो के निमित्त कोई सहायता दी जाती है, और यदि हां, तो कुल वार्षिक रकम क्या है ?

कृषि-मंत्री (डा० पी० एस० देशमुख) (क) भारत सरकार दो फार्म चला रही है, इनमें प्रयोगात्मक फार्मस नहीं हैं ।

(ख) एक बयान सभा की मेज पर रखा जाता है । [देखिये परिशिष्ट ८, अनुपत्र संख्या ४२]

(ग) प्रान्तीय सरकारों द्वारा चलाये जाने वाले कृषि फार्मो को केन्द्र से कोई भी सहायता नही दी जाती है ।

श्री नवाब सिंह चौहान : आपने जो विवरण रखा है उससे मालूम होता है कि पहले फार्म के ऊपर २८ लाख रु० खर्चा हुआ है और आमदनी केवल ६ लाख रु० । इसी तरह दूसरा भोपाल का फार्म है, उसमें ३२ लाख रुपया खर्च हो चुका है और ३ लाख रु० की आमदनी की आशा की जाती है । इसका क्या कारण है कि खर्च ज्यादा हो रहा है और आमदनी कम हो रही है ?

डा० पी० एस० देशमुख : ये मेकेनाइज्ड फार्मस है और इन पर इस तरह का खर्च होना आवश्यक है ।

श्री नवाब सिंह चौहान : आखिर ये किस लिए बनाये गये है, खर्च करने के लिये ? इनका उद्देश्य क्या है और कब तक वह प्राप्त किया जायेगा ?

डा० पी० एस० देशमुख : जिस जमीन में कोई पैदावार नहीं होती थी, उसको रिक्लेम करने के लिए ये फार्मस हैं । इससे काफी फायदा हुआ है और अनाज मुनासिब से ज्यादा पैदा हुआ है और रिसेटिलमेंट जम्मू में हुआ है ।

श्री नवाब सिंह चौहान : अनाज की पैदावार में कुल हुई आमदनी सम्मिलित है ?

श्री ए० पी० जैन : इन फार्मों में जो खर्च हुआ है उसमें कैपिटल एक्सपेंडिचर भी शामिल है और शुरू शुरू में जो फार्म बनाया जाता है, उसके लिए मशीन खरीदने, कल्टीवेशन करने और दूसरी चीजों पर काफी खर्च होता है और बाद में खर्च कम होते चले जाते हैं।

श्री नवाब सिंह चौहान : कश्मीर स्टेट में जो फार्म है, अर्थात् कश्मीर स्टेट में सन् १९५३-५४ में ३७९१'८ एकड़ जमीन रिक्लेम हुई जब कि सन् १९५४-५५ का रव: टारगेट ४२३३'५ एकड़ था। इस तरह से प्रारम्भ के टारगेट तक पहुंचने में केवल ४०० एकड़ का अन्तर था। इस प्रकार लगभग टारगेट तक पहुंचने पर भी ३ लाख ८३ हजार की ही आमदनी हुई जबकि खर्च १६ लाख २२ हजार हुआ इसकी क्या वजह है ?

श्री ए० पी० जैन : इस में कैपिटल एक्सपेंडिचर, मशीन और रिक्लेमेशन का खर्च शामिल है और जो आमदनी हुई वह वार्षिक आमदनी है।

श्रीमती शारदा भार्गव : कितने समय में एक्सपेंडिचर को रिक्लेम कर लेंगे ? क्या उम्मीद है ?

श्री ए० पी० जैन : यह १२ साल की स्कीम है।

SHRI GOPIKRISHNA VIJAIVARGIYA: May I know if the hon. Minister is aware that large areas in the Haringhata Farm near Calcutta are also not being put to proper use?

DR. P. S. DESHMUKH: That is for the State Government.

डा० रघुबीर सिंह : इस खर्च में कैपिटल एक्सपेंडीचर कितना है ?

डा० पी० एस० देशमुख : यह तफसील मेरे पास नहीं है।

*179. [For answer vide cols. 845—847 *infra.*]

*180. [*The questioner (Maulana M. Faruqi) was absent. For answer* vide *cols.* 847—848 infra.]

USE OF SULPHA DRUGS BY THE INDIGENOUS MEDICAL PRACTITIONERS

*181. SHRI S. C. KARAYALAR: Will the Minister for HEALTH be pleased to state:

(a) whether Government are aware that physicians practising in indigenous systems of medicine are administering Sulpha drugs; and

(b) if so what action Government have taken to prevent such practice?

THE MINISTER FOR HEALTH (RAJKUMARI AMRIT KAUR): (a) Yes.

(b) The question whether unregistered medical practitioners, including those practising in indigenous systems of medicine, should or should not be allowed to prescribe Sulpha drugs has been referred to the Central Council of Health whose views are awaited.

SHRI S. C. KARAYALAR: May I know whether the Government do not consider it dangerous to allow these practitioners to resort to this kind of treatment?

RAJKUMARI AMRIT KAUR: The Central Council of Health appointed a Committee to look into this matter. The Committee's report ought to be in by the end of this month. The question will be considered by the Council of Health when they meet at the end of January.

DR. D. H. VARIAVA: May I ask whether there is any rule by which people can be prevented from buying these drugs in any drug store, let alone the Vaids and Hakims? May I know whether they are licensed or or unlicensed?